

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College Ara

Existential Psychology: Contribution of Viktor Frankl (विक्टर फ्रेंकल का योगदान)

विक्टर फ्रेंकल (1905-1997) एक प्रसिद्ध ऑस्ट्रियाई मनोचिकित्सक, न्यूरोलॉजिस्ट और अस्तित्ववादी मनोवैज्ञानिक थे। वे लॉगोथेरेपी (Logotherapy) के संस्थापक थे, जो यह मानती है कि मनुष्य के जीवन का मुख्य उद्देश्य अर्थ (Meaning) की खोज करना है। उनका सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभवों से यह सिद्ध किया कि कठिनाइयों और पीड़ा के बीच भी जीवन में अर्थ पाया जा सकता है।

1. लॉगोथेरेपी (Logotherapy): मनोचिकित्सा का नया दृष्टिकोण

लॉगोथेरेपी को "अर्थ-केंद्रित चिकित्सा" (Meaning-Centered Therapy) भी कहा जाता है। यह परंपरागत मनोचिकित्सा से अलग है क्योंकि:

- यह समस्या के बजाय अर्थ खोजने पर ध्यान देती है।
- यह व्यक्ति को अपनी पीड़ा को एक उद्देश्य में बदलने के लिए प्रेरित करती है।
- यह सिखाती है कि व्यक्ति अपने जीवन की परिस्थितियों को बदल न सके, तब भी वह अपने दृष्टिकोण (Attitude) को बदल सकता है।

लॉगोथेरेपी के तीन प्रमुख सिद्धांत:

- I. स्वतंत्र इच्छा (Freedom of Will): व्यक्ति के पास यह स्वतंत्रता होती है कि वह किसी भी स्थिति में अपना दृष्टिकोण स्वयं चुन सकता है।
- II. अर्थ की इच्छा (Will to Meaning): प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अर्थ खोजने की स्वाभाविक इच्छा रखता है।
- III. अर्थ का अनुभव (Meaning in Life): जीवन का अर्थ परिस्थिति के अनुसार बदल सकता है, लेकिन यह हमेशा मौजूद रहता है।



2. पीड़ा और संघर्ष में भी अर्थ की खोज

- फ्रेंकल ने कहा कि मनुष्य केवल सुख की खोज करने के लिए नहीं बना, बल्कि उसे अपने जीवन में अर्थ की खोज करनी चाहिए।
- उन्होंने अपने अनुभवों से यह दिखाया कि जिन लोगों को अपने जीवन में कोई उद्देश्य (Purpose) दिखता था, वे नाज़ी यातना शिविरों में अधिक समय तक जीवित रह सके।
- उन्होंने कहा, "Pain is inevitable, but suffering is optional." (दर्द अपरिहार्य है, लेकिन कष्ट वैकल्पिक है।)
- उन्होंने बताया कि यदि हम अपनी पीड़ा का एक अर्थ खोज सकते हैं, तो हम उसे सहने की शक्ति भी प्राप्त कर सकते हैं।

3. अस्तित्वगत शून्यता (Existential Vacuum) की अवधारणा

- आधुनिक समाज में कई लोग जीवन के प्रति निरर्थकता (Meaninglessness) महसूस करते हैं। इसे "अस्तित्वगत शून्यता" (Existential Vacuum) कहा जाता है।
- यह समस्या तब उत्पन्न होती है जब व्यक्ति:
- अपनी इच्छाओं और मूल्यों को खो देता है।
- केवल भौतिक सुखों के पीछे भागता है लेकिन आंतरिक संतुष्टि नहीं पाता।
- अपनी स्वतंत्रता का गलत उपयोग करता है और जीवन में कोई उद्देश्य नहीं खोज पाता।
- यह शून्यता व्यक्ति को अवसाद (Depression), नशे की लत (Addiction) और आत्महत्या (Suicidal Tendencies) की ओर धकेल सकती है।
- लॉगोथेरेपी इस शून्यता को भरने में मदद करती है।

4. जीवन में अर्थ खोजने के तीन तरीके- फ्रेंकल ने बताया कि व्यक्ति तीन तरीकों से अपने जीवन का अर्थ खोज सकता है:

I. रचनात्मकता और कार्य (Creative Work & Deeds):

- जब व्यक्ति कुछ सार्थक कार्य करता है, जैसे कि कला, संगीत, लेखन, समाज सेवा आदि।
- जब व्यक्ति अपने ज्ञान और कौशल से दूसरों की मदद करता है।



II. अनुभव और प्रेम (Experiences & Love):

- जब व्यक्ति गहरे प्रेम (Love), प्रकृति (Nature), या सुंदरता (Beauty) को अनुभव करता है।
- जब व्यक्ति दूसरों के साथ गहरे संबंध बनाता है और उनके जीवन में योगदान देता है।

III. पीड़ा का सामना करने का तरीका (Attitude Towards Suffering):

- जब व्यक्ति पीड़ा को एक उच्च उद्देश्य (Higher Purpose) के रूप में देखता है और इसे स्वीकार करता है।
- उदाहरण: महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संघर्ष को स्वीकार किया और इसे एक बड़े उद्देश्य से जोड़ा।

5. नाजी यातना शिविरों में अनुभव और "Man's Search for Meaning"

- फ्रेंकल को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ऑशविट्ज़ (Auschwitz) सहित कई यातना शिविरों में रखा गया था।
- उन्होंने अपने परिवार को खो दिया, लेकिन उन्होंने यह महसूस किया कि जिन लोगों को अपने जीवन में कोई अर्थ (Meaning) दिखता था, वे जीवित रहने की अधिक संभावना रखते थे।
- इन अनुभवों के आधार पर उन्होंने 1946 में "Man's Search for Meaning" पुस्तक लिखी, जो आज भी दुनिया की सबसे प्रभावशाली किताबों में से एक मानी जाती है।
- इस पुस्तक में उन्होंने बताया कि "यदि आपके पास जीने का कोई कारण (Why) है, तो आप किसी भी कठिनाई (How) को सह सकते हैं।"

6. लॉगोथेरेपी बनाम अन्य मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

सिद्धांत	फ्राइड	एडलर	फ्रेंकल
मानव प्रेरणा का मूल कारण	सुख (pleasure)	शक्ति (power)	अर्थ (meaning)
प्राथमिक समस्या	दमित इच्छाएँ (repressed desires)	हीन भावना (inferiority complex)	अस्तित्वगत शून्यता (existential vacuum)
इलाज का तरीका	इच्छाओं की पहचान	आत्मविश्वास बढ़ता	जीवन में अर्थ खोजना



7. मनोचिकित्सा में लॉगोथेरेपी का उपयोग

फ्रेंकल की लॉगोथेरेपी को आज भी कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, जैसे:

- अवसाद (Depression): व्यक्ति को जीवन में उद्देश्य खोजने में मदद करना।
- आत्महत्या की प्रवृत्ति (Suicidal Thoughts): जीवन की नई संभावनाओं को दिखाना।
- नशे की लत (Addiction): व्यक्ति को यह समझने में मदद करना कि उसे किस कमी को भरने के लिए नशे की जरूरत पड़ रही है।
- PTSD (Post-Traumatic Stress Disorder): व्यक्ति को यह समझने में मदद करना कि कठिनाइयों के बावजूद उसका जीवन मूल्यवान है।

8. फ्रेंकल का प्रभाव और विरासत

- फ्रेंकल ने 30 से अधिक पुस्तकें लिखीं, और उनकी रचनाएँ 40 से अधिक भाषाओं में अनुवादित हुईं।
- उनके विचारों का मनोविज्ञान, दार्शनिक अध्ययन, व्यवसाय प्रबंधन और आत्म-विकास (Self-Development) में गहरा प्रभाव पड़ा।
- आज भी लॉगोथेरेपी को दुनिया भर में व्यक्तिगत विकास और मानसिक स्वास्थ्य सुधार के लिए उपयोग किया जाता है।

निष्कर्ष

विक्टर फ्रेंकल ने दुनिया को यह सिखाया कि कठिन परिस्थितियों में भी जीवन का अर्थ पाया जा सकता है। उन्होंने अपने अनुभवों और शोध से यह सिद्ध किया कि व्यक्ति का सबसे बड़ा उद्देश्य जीवन में अर्थ खोजना और उसे पूरा करने के लिए कार्य करना है।

उनकी विचारधारा हमें यह प्रेरणा देती है कि:

- हमारे जीवन की परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, हम हमेशा अपने दृष्टिकोण (Attitude) को चुन सकते हैं।
- यदि हम अपने जीवन का अर्थ खोज लें, तो कोई भी कठिनाई हमें हरा नहीं सकती।





Edit with WPS Office